



लखनऊ विवि: तीसरी आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश परीक्षा-2025 की काउंसिलिंग के क्रम में 13 पाठ्यक्रमों के सीटों के लिए तीसरी आवंटन सूची मंगलवार को जारी कर दी गई। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि एमएससी- वॉटनी, फॉरेंसिक साइंस, कंप्यूटर साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री के साथ ही एमए- एजुकेशन, इंग्लिश, पॉलिटिकल साइंस, एमआईएच, बी लिब साइंस के अभ्यर्थी सूची देखकर सीटें सुनिश्चित करने को 22 अगस्त तक फीस जमा कर दें। वहीं, परास्नातक प्रवेश परीक्षा-2025 की काउंसिलिंग के क्रम में 14 पाठ्यक्रमों के सीटों के लिए दूसरी आवंटन सूची मंगलवार को जारी कर दी गई। एमएससी फिजिक्स, केमिस्ट्री, जुलोजी, मैथ्स, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, स्टैटिस्टिक, जिओग्राफी, एमकॉम-अप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमए साइकोलॉजी के अभ्यर्थी सूची देखकर सीट सुनिश्चित करने के लिए 22 अगस्त तक फीस जमा कर दें। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीपीएड-एमपीएड की चॉइस फिलिंग शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश परीक्षा-2025 की काउंसिलिंग के क्रम में बीपीएड और एमपीएड के पाठ्यक्रम के लिए चॉइस फिलिंग मंगलवार से शुरू कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि 19 से 21 अगस्त के बीच विवि की वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर अभ्यर्थी चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

नव प्रवेशित बीबीए के छात्रों का स्वागत

लखनऊ। लखनऊ विवि के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में मंगलवार को द्वितीय परिसर में नव प्रवेशित बीबीए छात्रों का स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने नव प्रवेशित बीबीए छात्रों को अच्छे करियर के लिए नियमों, अनुशासन और नियमित अध्ययन का पालन करने की सलाह दी। द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. आरके सिंह और आईएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने विद्यार्थियों को नए परिसर की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : सीधे प्रवेश 4 सितंबर तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट खिलाड़ी श्रेणी के तहत सीधे प्रवेश के लिए 4 सितंबर तक आवेदन कर सकेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी प्रो. अजय कुमार आर्या के मुताबिक इच्छुक खिलाड़ियों को आवेदन पत्र लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के कार्यालय में चार सितंबर तक जमा करना होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी

क्रिएटिव, कामर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली के 150 चित्रों का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी की ओर से लगाई गई फोटोग्राफी प्रदर्शनी का शुभारंभ समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण ने किया। प्रदर्शनी में क्रिएटिव, कामर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की 150 से भी अधिक तस्वीरों का प्रदर्शन किया गया है। मंत्री ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों और आम लोगों में फोटोग्राफी जैसी सृजनात्मक विधा के प्रचार-प्रसार हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कॉलेज के डीन, प्रिंसिपल रतन



लखनऊ यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स कॉलेज में लगी प्रदर्शनी देखती युवतियाँ। अमृत विचार कुमार ने फोटोग्राफी विभाग से जुड़े छात्रों की मेहनत व लगन की सराहना की। विभाग द्वारा पुराने एंटीक कैमरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने आगंतुकों का ध्यान खींचा। कार्यक्रम की सफलता में आयोजन समिति के सदस्य राजीव, मयंक रस्तोगी, सौरभ

पुनर्वास विवि के पूर्व कुलपति प्रो. निशीथ राय का निधन

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. निशीथ राय का सोमवार रात निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।



प्रो. निशीथ राय। (फाइल फोटो)

प्रो. निशीथ राय मूल रूप से लखनऊ विवि में प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के शिक्षक थे। उन्होंने विभाग के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय में पर्यटन अध्ययन संस्थान के प्रमुख का कार्यभार भी देखा था। पिछले कई साल से प्रो. राय क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र लखनऊ के निदेशक पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

उनकी बेटी शची राय लविवि के अर्थशास्त्र विभाग में शिक्षक और बेटा विधु शेखर भारतीय प्रशासनिक सेवा में कार्यरत हैं। उनके निधन से लविवि, शकुंतला मिश्रा विवि और क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र के कर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। सरोजनी नायडू मार्ग स्थित उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए सपा नेता शिवपाल यादव समेत कई नेता पहुंचे। पुनर्वास विवि में पूर्व कुलपति को श्रद्धांजलि दी गई। उपकुलसचिव अनिल कुमार मिश्रा, कुलपति संजय सिंह समेत सभी शिक्षक उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स में लगी फोटोग्राफी एग्जीबिशन

क्रिएटिव और लैंडस्केप से सजी एग्जीबिशन का मंत्री असीम अरुण ने किया उद्घाटन

lucknow@inext.co.in LUCKNOW (19 Aug): बदलते वक्त की कहानी हो या फिर आज की हकीकत, इसे बयान करने का सबसे बेहतरीन जरिया होती हैं तस्वीरें। मंगलवार को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर लखनऊ यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स में फोटोग्राफी एग्जीबिशन विस्पर्स ऑफ लाइट-सीजन 5 का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन स्टूडेंट्स और पब्लिक को फोटोग्राफी जैसी क्रिएटिव फील्ड के बारे में जानकारी देने के लिए बहुत जरूरी हैं।

इस एग्जीबिशन में क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट स्टाइल की 150 से ज्यादा सिलेक्टेड फोटोज लगाई गईं, जिसमें खासतौर पर पुराने एंटीक कैमरों



की एग्जीबिशन भी लगाई गई, जिसने सबसे ज्यादा लोगों को अट्रैक्ट किया। फाइन आर्ट्स के डीन प्रो. रतन कुमार ने भी स्टूडेंट्स की क्रिएटिव फोटोज को

क्या बोले स्टूडेंट्स



एग्जीबिशन काफी अच्छी है। कुछ फोटोज को देखकर लगता है कि कितने सडन मूवमेंट पर विलक की गई हैं। इससे पता भी चलता है कि एक खूबसूरत तस्वीर के लिए एक सेकंड की कितनी कीमत होती है, फोटो विलक करने वाला पर्सन रियली अप्रीशिएबल है।

शांलू



एग्जीबिशन का ओवरऑल एक्सपीरियंस काफी अच्छा रहा। सभी फोटोज बहुत क्रिएटिविटी के साथ विलक की गई हैं और उन्हें प्रजेंट करने का तरीका भी काफी बेहतर है। कुछ फोटोज तो बिल्कुल रियलिस्टिक लग रही हैं।

अंकिता सिंह

आईएमएस, लविवि ने नव प्रवेशित बीबीए (एनईपी) छात्रों का किया स्वागत



विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. आरके सिंह और आईएमएस, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओएसडी प्रो. विनीता काचर के मार्गदर्शन में नव प्रवेशित बीबीए (एनईपी) छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. विनीता काचर के स्वागत भाषण से हुई। प्रो. विनीता काचर ने कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. आरके सिंह का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत और अभिनंदन किया। ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने नव प्रवेशित बीबीए छात्रों को संबोधित किया और प्रबंधन विज्ञान संस्थान, नए परिसर की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और छात्रों से नियमित रूप से कक्षाओं में आने का आग्रह किया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने नव प्रवेशित बीबीए छात्रों को संबोधित किया और अच्छे करियर के लिए नियमों, अनुशासन और नियमित अध्ययन का पालन करने की सलाह दी। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. आरके सिंह ने कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई। आरके सिंह ने नव प्रवेशित बीबीए छात्रों को संबोधित किया और सफल होने के लिए प्रेरित करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर डॉ. अमिताभ राय ने उपस्थित व्यक्तियों का धन्यवाद किया।

लवि : उत्कृष्ट खिलाड़ियों को मिलेगा सीधे प्रवेश

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स कोटे के तहत उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए खिलाड़ी चार सितंबर को शाम पांच बजे तक लखनऊ यूनिवर्सिटी एथलेटिक एसोसिएशन कार्यालय में आवेदन फार्म जमा कर सकते हैं। आवेदन एसोसिएशन के वेयरमें को रखावित होनी चाहिए। एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी प्रोफेसर अजय कुमार आर्या ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। (जब)

पीजी के 14 कोर्सों में दूसरा सीट आवंटन आज

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी के 14 कोर्सों में प्रवेश के लिए दूसरा सीट आवंटन बुधवार को जारी होगा। इसमें एमएससी फिजिक्स, जियोलॉजी, जुलोजी, मैथ्स, स्टैटिस्टिक्स, जगपति, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एम.कॉम अप्लाइड इकोनॉमिक्स, मास्टर ऑफ सोशल वर्क, मास्टर ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एम.ए साइकोलॉजी, एम.ए हिंदी, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन व एमजेएमसी शामिल है। अभ्यर्थी आवंटन देखकर 22 अगस्त तक फीस जमा कर सकते हैं। (जब)

च्चाइस फिलिंग शुरू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीपीएड और एमपीएड कोर्स में प्रवेश के लिए च्चाइस फिलिंग शुरू कर दी है। इसके लिए 21 अगस्त तक समय दिया गया है। वहीं, एमपीएड कोर्स में प्रवेश के लिए जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन में बीएड के अंक नहीं भरे, वो 21 अगस्त तक भर सकते हैं। (जब)

एंटीक कैमरों के साथ प्रदर्शित की रचनात्मकता

जगमग संवाददाता • लखनऊ : रील वाले कैमरों का जमाना गुजर गया। आज विप वाले कैमरों ने उनका स्थान ले लिया है, लेकिन उस दौर में रील को घुलकर अपनी तस्वीर देखने का आनंद अलग ही था। मंगलवार को एंटीक कैमरों की प्रदर्शनी लगाई गई तो दर्शकों को पुराने दिन याद आ गए। एक-एक कैमरों संग स्मृतियों को निहारने लगे। यहां 150 से अधिक फोटो में रचनात्मकता का भी प्रदर्शन किया गया। कॉलेज आफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी की वार्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन करते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण • जगज्ज



आर्ट्स कॉलेज में कॉलेज आफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी की वार्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन करते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण • जगज्ज

आयोजन समिति के सदस्य राजीव, मयंक रस्तोगी, सौरभ अरुण, पायल कीर्ति, यश, गीतिका, बिंदु अरोरा आदि उपस्थित रहे।

विभाग की नीतियां बताईं

जास • लखनऊ : लवि के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग ने एम.ए. अंग्रेजी के नए बैच के विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को ऑरिएंटेशन कार्यक्रम 'दीक्षारंभ' का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. ओ.एन.उपाध्याय ने विद्यार्थियों को विभाग की नीतियां एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने और चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. आरपी सिंह, प्रो. नजनीन खान, प्रो. एम. प्रियदर्शिनी, प्रो. आर.बी. शर्मा भी उपस्थित रहे।

एलयू: पीजी कोर्सों का सीट आवंटन आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत दो दर्जन पाठ्यक्रमों का दूसरा व तीसरा सीट आवंटन बुधवार को जारी होगा। जिसे अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी के जरिए देख सकते हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि दूसरा सीट आवंटन मेरिट के अनुसार बुधवार को दोपहर 12 बजे जारी होगा। ऑनलाइन सीट कन्फर्मेशन शुल्क अभ्यर्थी 22 अगस्त की रात 12 बजे तक जमा कर सकेंगे। वहीं शैक्षिक सत्र 2025-26 परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत बीपीएड और एमपीएड की च्चाइस फिलिंग शुरू कर दी गई है।

फोटोग्राफी का कला महाविद्यालय से पुरातन व समृद्ध संबंध

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। फोटोग्राफी एक कला और विज्ञान है, जिसमें प्रकृति का उपयोग करके स्थायी चित्र या तस्वीर बनाने की प्रक्रिया शामिल है। यह एक ऐसी तकनीक है जो हमें वास्तविक दुनिया की छवियों को कैच कर लेती है और उन्हें एक स्थिर रिफॉर्म के रूप में सहेजने की अनुमति देती है, चाहे वह प्रकाश-संवेदनशील फिल्म पर हो या डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक या ड्यूकनीय मेमोरी पर। यह हूड फोटोग्राफी के बारे में। फोटोग्राफी को कला के रूप में अपेक्षाकृत मान्यता 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में मिली, खासकर फिन्टर्नैलियन्स आंदोलन के साथ। इस आंदोलन ने फोटोग्राफी को एक कलात्मक माध्यम के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यह कला दार्शनिक और प्रदर्शनों में प्रदर्शित होने लगी। प्रेक्षा की राजधानी लखनऊ में 1911 में भयस्त्राल के रूप में कला एवं विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हुई। यह देश के चार महाविद्यालयों में से एक है। इस संस्थान ने अनगिनत कलाकारों को जन्म दिया और आज भी निरन्तर जारी है। इस महाविद्यालय ने फोटोग्राफी का एक लंबा इतिहास रचा है। वरिष्ठ



कलाकार व पूर्व प्रधानाचार्य जय कृष्ण अखवाल से बातचीत से महाविद्यालय में फोटोग्राफी के कई महात्मा ज्ञानकारी प्राप्त हुई। उनके एक पोस्टर से पता चलता है कि श्री ललित मोहन सेन ने 1932 में स्थापित यू.पी. अमेच्यूर फोटोग्राफिक एसोसिएशन के प्रमुख संस्थापक थे। 1932 में स्थापित इस संघटन से लखनऊ फोटोग्राफी में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया। सेन लखनऊ के कला महाविद्यालय में अध्यापन कार्य कर रहे थे जो स्थानीय कला गतिविधियों का एक मात्र केन्द्र था और स्वाभाविक रूप से इस एसोसिएशन की गतिविधियों का केन्द्र भी बन गया। स्थानीय फोटोग्राफरों को कलाकारों के साथ

सोसाइटी द्वारा आयोजित भव्य फोटोग्राफी प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि असीम अरुण ने किया। इस प्रदर्शनी में प्रतिभा फोटोग्राफर अभिनव श्रीवास्तव, अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट, बिंदु अरोरा, दीपक यादव, दीपशिखा, ध्रुव रंजना गणेशमिश्रा, गीतिका, ज्ञान कुमरा, हर्षित सिंह, ज्योतिर्भव यादव, खुसबू कुमारी, कुंवर जी, मनोज कुमार शुक्ला, मयंक रस्तोगी, मोहसिना, निरंकर रस्तोगी, पायल कृति के क्रिएटिव, कॉमर्शियल, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट शैली की रचनात्मक 150 से भी अधिक पट्टा, आर्चिष सतीश वासीकी, अजय जावसवाल, अजय कुमार, अमीरा गुला, अकृति दुबे, अमित यादव, अनुराग स्वप्न, अरुणा सिंह, अविनाश चंद लिहिट, अविरल पित्रू, भूषण चन्द लिहिट,